

सूचना क्रांति का नवाचारी विकास

सुमन गौतम¹ and डॉ. सत्यप्रकाश सिंह²

शोधार्थी (लायब्रेरी), शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)¹

प्राध्यापक पुस्तकालय विभाग, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)²

शोध—सारांश: सूचना क्रांति नवीन अपरिष्कृत अवस्था के आंकड़े, पूर्व ज्ञान तथ्यों या विचारों की नयी व्याख्या, कोई भी नया निरीक्षण या प्रयोग आदि शामिल हैं। प्राथमिक स्रोत विभिन्न प्रकार के होते हैं, बड़ी संख्या में और व्यापक रूप से बिखरे हुए। प्राथमिक स्रोतों में सामयिकी, समाचार पत्र, तकनीकी प्रतिवेदन, शोध प्रबंध, सम्मेलन पत्र, एकस्व (पेटेंट), मानक, व्यापार एवं उत्पादन बुलेटिन सम्मिलित हैं तथा प्राथमिक स्रोत वे स्रोत हैं जिनमें मौलिक सूचना सन्निहित है। उक्त बिन्दुओं को शोध—पत्र में समाहित करने का प्रयास है।

मुख्य शब्द: सूचना, क्रांति, नवाचारी, व्यापारिक, पाक्षिक, मासिक, त्रैमासिक आदि।

संदर्भ स्रोत:

- [1]. द हैन्डबुक ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ए. बॉर एवं ई. ए. पेफनबॉम द्वारा लिखित, खंड 1-4
- [2]. स्कॉलर्ली कम्यूनिकेशन, एस.आई. गिल्लेसन द्वारा लिखित।
- [3]. ए क्युम्यूलेटिव बिब्लियोग्राफी ऑफ बिब्लियोग्राफीज, एन.वाई. एच.डब्लू. विल्सन, न्यूयॉर्क, 1937 से अब तक।
- [4]. (<http://www.timesofindia.indiatimes.com>) हिन्दुस्तान टाइम्स : दैनिक रूप से प्रकाशित व ऑनलाइन संस्करण हैं।
- [5]. (<http://www.hindustantimes.com>)
- [6]. प्रोसीडिंग्स (Proceedings) ऑफ 8वें इंटरनेशनल कन्वेंशन कैलिबर-2011, गोआ यूनीवर्सिटी, गोआ, 2-4 मार्च, 2011